

पश्चिमी घाट पर कस्तूरीरंगन समिति

प्रलिस के लयि:

कस्तूरीरंगन समिति, पर्यावरण संरक्षण अधनियिम, 1986

मेन्स के लयि:

कस्तूरीरंगन समिति की रपिर्त की प्रमुख सफिरशों और इसके वरिध के कारण

चर्चा में क्यों?

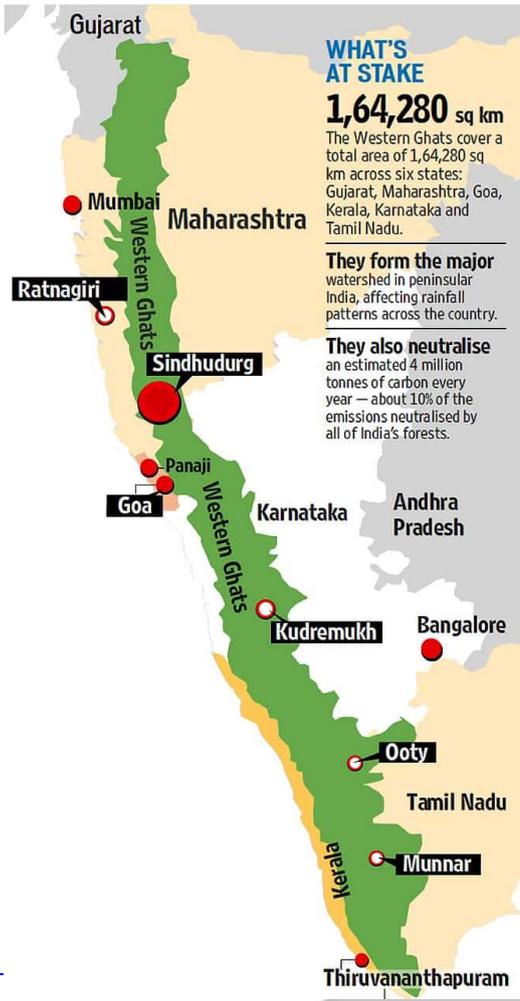
हाल ही में कर्नाटक सरकार द्वारा केंद्र सरकार को सूचित किया गया है कि वह पश्चिमी घाट पर गठित [कस्तूरीरंगन समिति](#) (Kasturirangan Committee report) की रपिर्त के पक्ष में नहीं है।

- कस्तूरीरंगन समिति की रपिर्त ने पश्चिमी घाट के कुल क्षेत्रफल के 37 प्रतिशत को [पारस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र](#) (Eco-Sensitive Area- ESA) घोषित करने का प्रस्ताव दिया है।
- कर्नाटक सरकार की राय है कि पश्चिमी घाट को ESA घोषित करने से इस क्षेत्र के लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा

प्रमुख बडि

- पारस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र के बारे में:**
 - यह संरक्षित क्षेत्रों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आसपास 10 किलोमीटर के भीतर स्थित क्षेत्र होता है।
 - [पर्यावरण संरक्षण अधनियिम, 1986](#) के तहत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (Ministry of Environment, Forest and Climate Change- MoEFCC) द्वारा ESAs को अधिसूचित किया जाता है।
 - इसका मूल उद्देश्य राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आसपास कुछ गतिविधियों को वनियमित करना है ताकि संरक्षित क्षेत्रों के संवेदनशील पारस्थितिकीय तंत्र पर ऐसी गतिविधियों के नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सके।
- कस्तूरीरंगन समिति की रपिर्त की सफिरशों के बारे में:**
 - शामल क्षेत्र:** कस्तूरीरंगन समिति की रपिर्त में लगभग 60,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ESA) घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया है।
 - इसमें से 20,668 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र कर्नाटक राज्य में आता है, जिसमें 1,576 गाँव शामिल हैं।
 - इस क्षेत्र में शामिल ज्यादातर स्थलों की सीमा, कानूनी रूप से सीमांकित राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, बाघ अभयारण्यों और वन प्रभागों की सीमाएँ हैं इसलिए उन्हें पहले से ही उच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान की गई है।
 - वांछित और प्रतिबंधित गतिविधियाँ:** रपिर्त में खनन, उत्खनन, रेड कैटेगरी उद्योगों (Red Category Industries) की स्थापना और ताप वदियुत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की सफिरशि की गई है।
 - यह भी कहा गया है कि इन गतिविधियों के लिये अनुमत दिए जाने से पहले जंगल और वन्यजीवों पर ढाँचागत परियोजनाओं के प्रभाव का अध्ययन किया जाना चाहिये।
 - यूनेस्को टैग:** रपिर्त में यह भी कहा गया है कि पश्चिमी घाट के [यूनेस्को हेरिटेज टैग](#) (UNESCO Heritage tag) में शामिल होने से इसकी विशाल प्राकृतिक संपदा को वैश्विक और घरेलू स्तर पर मान्यता प्राप्त होती है।
 - 39 स्थल पश्चिमी घाट में स्थित हैं जो (केरल 19), कर्नाटक (10), तमलिनाडु (6) और महाराष्ट्र (4) राज्यों में वसितारति हैं।
 - राज्य सरकारों की भूमिका:** राज्य सरकारों को इस विकास को देखना चाहिये और क्षेत्र के संसाधनों और अवसरों के संरक्षण, बचाव और महत्त्व के लिये एक योजना तैयार करनी चाहिये।

कस्तूरीरंगन समिति द्वारा प्रस्तावित ESA



//



■ **कर्नाटक सरकार का वरिध:**

- **वकिसात्मक प्रगतमें बाधा:** कर्नाटक में व्यापक वन क्षेत्र है और सरकार ने पश्चिमी घाट की जैव वविधिता की रक्षा का ध्यान रखा है।
 - राज्य सरकार का मानना है करिपोरट के लागू होने से क्षेत्र में वकिस गतविधियाँ ठप हो जाएँगी।
- **जन-केंद्रति वकिस मॉडल:** उपग्रह आधारति चतिरों के आधार पर कस्तुरीरंगन रपिर्ट तैयार की गई है, लेकनि ज़मीनी हकीकत अलग है।
 - क्षेत्र के लोगों ने कृष और बागवानी गतविधियों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से अपनाया है।
 - वन संरक्षण अधनियिम, 1980 के तहत पर्यावरण संरक्षण को प्राथमकितता दी गई है।

आगे की राह:

- **नवारक दृष्टिकोण:** जलवायु परविरतन को ध्यान में रखते हुए जो सभी लोगों की आजीविका को प्रभावति करेगा और देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचा सकता है ऐसे संवेदनशील पारस्थितिकि तंत्र का संरक्षण वविकपूर्ण तरीके से ही कथिा जाना चाहयि।
 - यह पुनरस्थापन/पुनरुदधार के लयि धन/संसाधनों को खर्च करने की तुलना में आपदाओं की संभावना वाली स्थितिकि तुलना में कम खर्चीला होगा।
 - इस प्रकार कार्यानवयन में और देरी से देश के सबसे बेशकीमती प्राकृतिकि संसाधन का कषरण ही होगा।
- **सभी हतिधारकों के साथ जुडाव:** वैज्ञानिकि अध्ययन पर आधारति एक उचति वशिलेषण के बाद संबंधति चतिाओं को दूर करने के लयि वभिनिन हतिधारकों के बीच आम सहमतिकि तत्काल आवश्यकता है।
 - वन भूमि, उत्पादों और सेवाओं पर खतरों तथा मांगों के बारे में समग्र दृष्टिकोण, शामिल अधिकारियों के लयि स्पष्ट रूप से बताए गए उद्देश्यों के साथ इनसे नपिटने हेतु रणनीति तैयार होनी चाहयि।

स्रोत-इंडियन एक्सप्रेस

